CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

▫ वर्ष- 29 ▫ अंक- 186 ▫ रायपुर, बुधवार 29 जुलाई 2026 ▫ पृष्ठ-8 ▫ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

रायपुर समेत प्रदेश में जमकर हो रही बारिश, कई नदी-नाले उफान पर

लोग मना करते रहे, लेकिन नहीं माना, नाले के तेज बहाव में बहा अधेड़, 5 किमी दूर मिला शव

गरियाबंद, 29 जुलाई (हाईवे चैनल)। जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर हैं। इस बीच फिंगेश्वर थाना क्षेत्र में तेज बहाव के बावजूद सरगी नाला पार करने की कोशिश एक 55 वर्षीय ग्रामीण की जान पर भारी पड़ गई। नाले में बहने के करीब एक घंटे बाद उसका शव घटनास्थल से करीब 5 किलोमीटर दूर बरामद किया गया।

पुलिस के अनुसार, सहसपुर निवासी थनवार यादव (55) आज सुबह अपने एक साथी के साथ धूर्सा गांव आए थे। सुबह करीब 7 बजे के बाद लगातार बारिश से सरगी नाला का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। वापसी के दौरान साथी और वहां मौजूद अन्य लोगों ने तेज बहाव को देखते हुए नाला पार करने से मना किया, लेकिन थनवार यादव ने उनकी बात नहीं मानी और नाला पार करने का प्रयास किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लोग उन्हें लगातार रोकते रहे, जबकि कुछ लोग घटना का वीडियो भी बना रहे थे। जैसे ही वह तेज बहाव वाले हिस्से में पहुंचे, पानी की धारा उन्हें बहाकर ले गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंची। तलाश के दौरान करीब एक घंटे बाद थनवार यादव का शव खूंटेरी गांव के पास, घटनास्थल से लगभग 5 किलोमीटर दूर मिला। फिंगेश्वर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामले में मर्ग कायम कर आगे की जांच की जा रही है। पुलिस ने लगातार हो रही बारिश के दौरान उफनते नदी-नालों को पार नहीं करने की अपील की है।

लगातार हो रही बारिश से कुकलेर पुल, महानदी-बालका संगम एनीकेट सहित कई नाले उफान पर

धमतरी 29 जुलाई (हाईवे चैनल)। जिले में लगातार हो रही बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। लोग खतरे को हल्के में लेते हुए उफनते नदी नाले को पार कर रहे है। जो कि जानलेवा साबित हो सकता है।

तेज बारिश के कारण महानदी और बालका नदी का जलस्तर बढ़ गया है, जिससे कर्णेश्वर घाट स्थित बालका-महानदी संगम पर बने एनीकट के ऊपर से पानी बह रहा है। इसी बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक वाहन चालक तेज बहाव के बीच एनीकट को पार करता नजर आ रहा है। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि चालक ने अपनी और वाहन में सवार लोगों की जान जोखिम में डालकर उफनते पानी के बीच एनीकट पार किया। मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने इस पूरे घटनाक्रम को अपने मोबाइल कैमरे में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। इसी प्रकार कुकरेल पुल पर भी पानी ओव्हर फ्लो है। पुल से उपर से बहते पानी के बीच लोग पुल को पार कर रहे है। बारिश के दौरान इस तरह की लापरवाही किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकती है। प्रशासन लगातार लोगों से अपील कर रहा है कि जलमग्न पुल, पुलिया और एनीकट को पार करने का प्रयास न करें तथा सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। थोड़ी सी असावधानी जानलेवा साबित हो सकती है।

छत्तीसगढ़ में अगले 2 दिनों तक जमकर बरसेंगे बादल!

रायपुर, 29 जुलाई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ में गहरे अवदाब के असर से पिछले 24 घंटों के दौरान भारी बारिश हुई. मंगलवार को चांपा में सबसे ज्यादा बादल बरसे तो राजधानी रायपुर में देर रात से बुधवार शाम तक अच्छी बारिश हुई. मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले दो दिन तक अधिकांश स्थानों पर बारिश हो सकती है। वहीं एक-दो स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है। प्रदेश में अब तक मौसमी वर्षा सामान्य से 18 प्रतिशत कम दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने बताया कि अभी एक गहरा अवदाब उत्तर तटीय उड़ीसा और उससे लगे गंगेटिक पश्चिम बंगाल से उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके अगले 24 घंटे में उत्तर उड़ीसा, दक्षिण झारखंड और उत्तर छत्तीसगढ़ पहुंचने की संभावना है।

राष्ट्रपति भवन में कल बस्तरवासियों का सम्मान

164 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को द्रौपदी मुर्मू देंगी विशेष भोज

रायपुर/दिल्ली, 29 जुलाई (हाईवे चैनल)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में छत्तीसगढ़ के बस्तर के 164 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में विशेष भोज देंगी। इस ऐतिहासिक मौके पर सीएम विष्णु देव साय और डिप्टी सीएम विजय शर्मा भी मौजूद रहेंगे। बस्तर का यह प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को दिल्ली के लिए रवाना हो चुका है। यह दौरा बस्तर की संस्कृति और विकास को राष्ट्रीय मंच पर ले जाने के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

164 सदस्यीय इस प्रतिनिधिमंडल में बस्तर के परगना मांझी, चालकी, समाज प्रमुख शामिल हैं। इसके साथ ही बस्तर पंडुम-2026 के जनजातीय कलाकार, समाज के प्रतिनिधि और पद्मश्री सम्मानित हस्तियां भी दिल्ली पहुंची हैं। यह पहली बार है जब इतने बड़े बस्तरीय प्रतिनिधिमंडल को राष्ट्रपति भवन में आमंत्रित कर सम्मानित किया जा रहा है। राष्ट्रपति भवन में मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोक परंपराओं और सामाजिक व्यवस्था से राष्ट्रपति को अवगत कराएगा।

साथ ही प्रतिनिधिमंडल नक्सलवाद के खिलाफ मिली सफलता और बस्तर में अब स्थापित हो रही शांति की जानकारी देगा। विकास, शिक्षा, पर्यटन और रोजगार के नए अवसरों पर भी चर्चा होगी। प्रतिनिधिमंडल देश के नेतृत्व के प्रति आभार भी व्यक्त करेगा। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सीएम विष्णु देव साय बुधवार देर शाम दो दिवसीय दिल्ली प्रवास पर रवाना होंगे।

दिल्ली में उनके कई केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात प्रस्तावित है। इसके अलावा पीएम नरेंद्र मोदी से भी भेंट होने की संभावना है। सीएम साय 1 अगस्त को रायपुर लौटेंगे। राष्ट्रपति भवन में इस तरह का विशेष भोज बस्तर की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करेगा। इससे बस्तर की कला, संस्कृति और यहां हो रहे बदलावों को देश-दुनिया के सामने रखने का मौका मिलेगा।

ब्रेकिंग न्यूज

कोयला घोटाला केसः पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को सुप्रीम कोर्ट से क्लीन चिट, ट्रायल कोर्ट का आदेश निरस्त

नई दिल्ली, 29 जुलाई (न्यूज चैनल)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के खिलाफ चल रहे कोयला ब्लॉक आवंटन मामले को पूरी तरह बंद कर दिया। शीर्ष अदालत ने उन्हें और अन्य आरोपियों को तलब करने वाले स्पेशल कोर्ट के आदेश को निरस्त कर दिया। इसके साथ ही सीबीआई की उस रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया गया, जिसमें डॉ. सिंह को क्लीन चिट दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ ने इस मामले की सुनवाई की। पीठ ने सीबीआई की ओर से दाखिल दोनों क्लोजर रिपोर्ट को सही माना। शीर्ष अदालत ने कहा कि ट्रायल कोर्ट के पास सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को खारिज करने और डॉ. मनमोहन सिंह को समन भेजने का कोई ठोस आधार नहीं था। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कहा कि मामले की पड़ताल करने के बाद यह साफ हो गया है कि सीबीआई की रिपोर्ट प्रक्रिया के तहत बिल्कुल सही थी। इसलिए इस मुकदमे को जारी रखने का कोई औचित्य नहीं बनता। यह पूरा मामला 2005 में ओडिशा के तालाबीरा-II कोयला ब्लॉक के आवंटन का है। उस समय डॉक्टर मनमोहन सिंह के पास ही कोयला मंत्रालय का प्रभार था। सीबीआई ने जांच के बाद मामले में कोई आपराधिक साजिश नहीं पाई थी और क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी।

चूहा- सुनती हो, शिक्षकों को अब जितनी ऑनलाइन अटेंडेंस होगी उतनी ही मिलेगी सैलरी।

चुहिया- हां जी, फिर गुरु भी ज्ञान नाप तौलकर दिया करेंगे।

राहुल गांधी बोले- अंधभक्त वह है जो मान लेता है कि यह बड़ी छवि वाला बेवकूफ ही भगवान है

संसद का मानसून सत्रः लोकसभा में मचा हंगामा

नई दिल्ली, 29 जुलाई (न्यूज चैनल)। संसद के मानसून सत्र के दौरान बुधवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर हमला बोला। इस दौरान उन्होंने एक छात्रा से हुई बातचीत का जिक्र किया। इसके साथ ही उन्होंने छात्र, मूर्ख और अंधभक्त तीन श्रेणियां बताईं। राहुल गांधी ने कहा, मैंने कहा कि अंधभक्त की परिभाषा क्या है। उन्होंने कहा कि अंधभक्त वह है जो मान लेता है कि यह बड़ी छवि वाला बेवकूफ ही भगवान है। इसके बाद कुछ देर तक लोकसभा में हंगामा मच गया। राहुल गांधी ने एक छात्रा से बातचीत का जिक्र किया, जिसने उन्हें तीन तरह के लोगों की कैटगरी बताई। राहुल गांधी ने कहा, पहली तरह के छात्र सच को गर्व से स्वीकार करते हैं। मैंने पूछा कि दूसरे तरह के व्यक्ति के बारे में क्या? उसने कहा कि दूसरे तरह के व्यक्ति को एक छवि की जरूरत होती है। उसे एक छवि बनानी पड़ती है और क्योंकि वह छवि सच नहीं होती, तो एक बेवकूफ खुद को भगवान दिखाने की कोशिश कर रहा होता है, इसलिए उसे एक बड़ी छवि बनानी पड़ती है। मैंने उससे पूछा कि तीसरी श्रेणी कहां आती है? वह श्रेणी अंधभक्त की है। उसने कहा, अंधभक्त वह व्यक्ति होता है, जो पूरी तरह यकीन कर लेता है कि कोई दूसरा बेवकूफ भगवान है।

उन्होंने आगे कहा, तो तीन वर्ग के लोग हैं। एक वर्ग है विद्यार्थी का, जो विद्या का अर्थ है। बाकी दो वर्ग का मैं नाम नहीं लूंगा। छात्र इन दोनों से नहीं डरता। वह किसी पर हमलावर नहीं होता, क्योंकि वह जानता है कि उसका सच दूसरे के सच से अलग होगा। दूसरे वर्ग को हिंसा की जरूरत होती है, दबाव बनाने की जरूरत होती है। इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बीच में हस्तक्षेप करते हुए कहा, अगर राहुल गांधी ने असंसदीय शब्द का इस्तेमाल नहीं किया होता, तो किसी को कोई आपत्ति नहीं होती। मेरा मानना है कि वह एक छात्र के नाम पर उस शब्द का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन असल में उस शब्द का इस्तेमाल वही कर रहे हैं। वह असंसदीय शब्द का इस्तेमाल नहीं कर सकते। इसे सदन की कार्यवाही से हटाया जाना चाहिए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, कई लोगों को लगता है कि छात्रों को पेपर लीक की वजह से गुस्सा आया है। हमारी शिक्षा व्यवस्था पहले ही क्रूर है। लाखों रुपये गरीबों से लिए जाते हैं। हर चीज प्राइवेटाइज है। पेपर लीक, एक परीक्षा में कुछ होता है, दूसरे में कुछ। एक में रिएग्जाम होता है, दूसरे में नहीं होता है। यह एक बेहद खराब व्यवस्था है। यह सिस्टम और इसकी आत्मा को कब्जे में कर लिया गया है। इसे आरएसएस ने कब्जे में किया है।

तेलीबांधा के हार्डवेयर शॉप में देर रात लगी आग

ऑक्टोपस बार समेत 3 दुकानें जलकर खाक, लोगों ने कूदकर बचाई जान

रायपुर, 29 जुलाई (हाईवे चैनल)। राजधानी रायपुर के तेलीबांधा चौक स्थित सुंदरानी हार्डवेयर दुकान में भीषण आग लगने से देर रात हड़कंप मच गया। कुछ देर में आग ने विकराल रूप ले लिया, जिसकी चपेट में आकर ऑक्टोपस बार समेत तीन दुकानें जलकर राख हो गई। घटना की सूचना के बाद पुलिस और फायरब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। शुरआती तौर पर शॉर्ट सर्किट से आग लगने की वजह सामने आ रही है। हालांकि पुलिस ने स्पष्ट किया है कि वास्तविक कारण जांच के बाद ही सामने आएगा।

चार दुकानों तक पहुंची आग, कई वाहन भी जले

जानकारी के मुताबिक, मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात सुंदरानी हार्डवेयर में लगी भड़की और देखते ही देखते उसकी लपटें पास स्थित इलेक्ट्रॉनिक दुकान सहित करीब चार दुकानों तक पहुंच गई। वहीं दुकान के बाहर खड़ी छह से अधिक दोपहिया वाहन भी आग की चपेट में आकर जल गए। बताया जा रहा है कि लाखों रुपये के नुकसान हुआ है, हालांकि वास्तविक नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

हार्डवेयर दुकान से ऑक्टोपस बार लगा हुआ है, जिस कारण आग ने उसे भी चपेट में ले लिया। बार की ऊपरी मंजिल में मौजूद लोगों ने स्थिति गंभीर होने पर छत के रास्ते बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। वहीं पास के मकानों में सो रहे लोगों को भी समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी जनहानि की सूचना नहीं है।

पुलिस और फायर ब्रिगेड का रेस्क्यू ऑपरेशन

आग लगने की सूचना मिलते ही तेलीबांधा पुलिस और फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग की तीव्रता को देखते हुए निजी पावर प्लांटों की दमकलों की भी सहायता ली गई। कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काफी हद तक काबू पाया गया, हालांकि पूरी तरह बुझाने का अभियान देर तक जारी है। इधर पुलिस ने क्षेत्र को घेराबंद कर लोगों को सुरक्षित दूरी पर रखा। तेलीबांधा टीआई अजय झा के मुताबिक, आग हार्डवेयर दुकान से शुरू हुई थी। आग इतनी भीषण थी कि तेज बारिश के बावजूद उस पर काबू पाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। ऑक्टोपस बार समेत तीन दुकानों को भारी नुकसान हुआ है। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है।

सोंढूर जलाशय से नियंत्रित रूप से पानी छोड़ा जा रहा

घटना की जानकारी होने पर तत्काल कंट्रोल रूम पर सूचना दें : कलेक्टर मिश्रा

बाढ़ की संभावना को देखते हुए पालतू जानवरों को पहले से ही सुरक्षित तथा ऊंचे स्थानों पर भेज दें या जल स्तर बढ़ रहा हो, तो उन्हें खुला छोड़ दें।

धमतरी 29 जुलाई (हाईवे चैनल) मानसून के चलते ज़िले में और आस पास के जिले कैचमेंट क्षेत्र में पिछले दिनों से हो रही बारिश एवं भारी बारिश संभावित अतिवृष्टि, नदी-नालों के उफान तथा बाढ़ की स्थिति निर्मित होने की वजह से लोगों की जान की सुरक्षा के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता एवं तत्काल राहत पहुँचने के निर्देश कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को दिए है।

कलेक्टर मिश्रा ने जिले वासियों से अपील की कि नदी-नालों, पुराने पुल-पुलिया आदि को पार करते समय एहतियात बरतें। इसके साथ ही आपदा की जानकारी मिलने पर जिला स्तरीय बाढ़ कन्ट्रोल 07722 - 232249 में इसकी सूचना दें सकते है। यह कंट्रोल रूम चौबीसों घंटे काम कर रहा है। धमतरी जिले में चालू मानसून के दौरान विगत एक जून से आज 29 जुलाई तक 559 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गयी है।

कलेक्टर ने जन सामान्य से कहा कि वे अपने शहर या गांव में बाढ़ की संभावना और विगत वर्ष में बाढ़ के सबसे उच्च स्तरों को जानें। अपनी बहुमूल्य वस्तुओं और महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सुरक्षित रखें। अपने नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य तथा सहायता केन्द्र की जानकारी रखें। आपातकालीन किट तैयार करें, जिसमें सूखा खाद्य पदार्थ, पेयजल, आवश्यक दवाएं, रेडियों, टॉर्च, जरूरी कागजात, माचिस, रस्सी आदि शामिल हों तथा इन्हें उपयोग हेतु चालू हालत में रखें।

बाढ़ की संभावना को देखते हुए पालतू जानवरों को पहले से ही सुरक्षित तथा ऊंचे स्थानों पर भेज दें या जल स्तरबढ़ रहा हो, तो उन्हें खुला छोड़ दें। बाढ़ की चेतावनी मिलने पर उसका पालन करें, अपने पड़ोसियों को सूचित करें तथा सुरक्षित, ऊंचे स्थानों पर चलें जाएं यदि स्थान छोड़ रहे हैं, तो अपने साथ आपाकालीन किट जरूर ले जाएं। घर छोड़ने से पहले बिजली का मुख्य स्विच, गैस और पानी के नलों को बंद कर दें एवं मित्रों व रिश्तेदारों को अपने प्रस्थान की जानकारी दें। पुलिस और दमकल अधिकारियों के अनुदेशों का पालन करें व उन्हें सहयोग दें, आपकी सुरक्षा उनका ध्येय है। उबाला हुआ या क्लोरीन की टेबलेट से साफ किया हुआ पानी पियें। सांप, विषधर प्राणियों से बचकर रहें, प्रायः बाढ़ के समय सांप के काटने की घटनाएं होती है। नवीनतम जानकारी हेतु स्थानीय मौसम और समाचार रिपोर्टों को सुनें। अपने आसपास वातावरण को साफ एवं स्वच्छ रखें। कलेक्टर ने कहा कि बाढ़ का पानी न पियें और न ही उससे भोजन पकाएं। बाढ़ के पानी के सम्पर्क में आया हुआ खाद्य पदार्थ न खायें। बाढ़-ग्रस्त क्षेत्र में न जाएं तथा गाड़ी चलाने से बचें। मदद के बिना बाढ़ के पानी में न जाएं, बच्चों को बाढ़ के पानी के पास खेलने ना दें। बिजली उपकरणों का प्रयोग न करें, जो बाढ़ के पानी में भीगे हों। उन्होंने बताया कि शासकीय उचित मूल्य दुकानों पर राशन उपलब्ध है। कार्डधारी पत्रानुसार राशन ले सकते है।

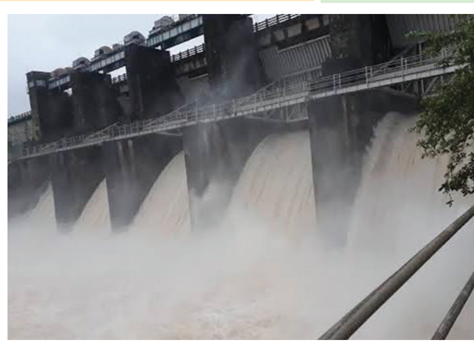

नदी-नालों एवं पुराने पुल-पुलियों को पार करते समय एहतियात बरतेः कलेक्टर

धमतरी एवं सोंढूर जलाशय के कैचमेंट क्षेत्र में लगातार हो रही भारी वर्षा के कारण जलाशय का जलस्तर बढ़ गया है। जल प्रबंधन एवं सुरक्षा की दृष्टि से सोंढूर जलाशय से नियंत्रित रूप से पानी छोड़ा जा रहा है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने जलाशय एवं नदी-नालों के आसपास बसे सभी ग्रामवासियों से विशेष सतर्कता एवं सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि नदी, नालों एवं जल प्रवाह वाले क्षेत्रों के समीप अनावश्यक आवाजाही न करें तथा किसी भी स्थिति में पानी के तेज बहाव को पार करने का प्रयास न करें। कलेक्टर श्री मिश्रा ने आज समय सीमा की बैठक में कहा कि लगातार बारिश के कारण नगरी और मगरलोड के कई ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कें जलमग्न हो गई हैं और नदी-नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। कई जगहों पर बच्चों को जान जोखिम में डालकर स्कूल पहुंचना पड़ रहा था। पूर्व स्थिति को देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी स्कूल और महिला बाल विकास को आंगनबाड़ी एहतियात के तौर पर बंद करने कहा है।

CMYK